ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–60
दिनांक: शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0 एवं 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 84 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.8 एवं दोपहर में 34.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 96.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(08–12 अगस्त, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 08 से 12 अगस्त, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि में उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों में 9–11 अगस्त के बीच हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। एक–दो स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। अन्य दिनों में भी अनेक स्थानों पर हल्की–हल्की वर्षा हो सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 31–35°C तथा न्यूनतम तापमान 26–28°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह में सापेक्षिक आर्द्रता 80–90% तथा दोपहर में सापेक्षिक आर्द्रता 50–60% रहने का अनुमान है।
- इस दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी अथवा दक्षिण–पूर्वी दिशा से 5–15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- मक्का: वर्तमान मौसम खरपतवारों की तीव्र वृद्धि के लिए अनुकूल है, इसलिए समय पर निकौनी करें। जिन खेतों में तृणनाशी का प्रयोग नहीं किया गया है, वहाँ मक्का की कतारों के बीच खुरपी से निकौनी करें। निकौनी के बाद 40 किग्रा यूरिया प्रति हेक्टेयर की ऊपरी मात्रा दें तथा मिट्टी चढ़ाएँ।
- परवल: वर्तमान समय परवल की बुआई के लिए उपयुक्त है। बुआई के लिए *राजेन्द्र परवल–1*, *राजेन्द्र परवल–2*, *राजेन्द्र परवल–3*, *स्वर्ण रेखा*, *स्वर्ण अलौकिक* एवं *स्वर्ण सुरुचि* किस्में अनुशंसित है। पौधों की रोपाई 150×100 सेमी की दूरी पर करें। खेत की तैयारी के समय 20–25 टन गोबर की सड़ी खाद, 60 किग्रा नाइट्रोजन, 50 किग्रा फॉस्फोरस तथा 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।
- मिर्च: अगस्त माह में उठी हुई क्यारियों पर बुआई करें। मुक्त परागित किस्में: *अर्का लोहित*, *पूसा ज्वाला*, *पूसा सदाबहार*, काशी अनमोल, *काशी गौरव*, *पंत सी–1* एवं *पंजाब लाल*। संकर किस्में: *अर्का श्वेता*, *कोंकण कीर्ति*, *अर्का मेघना*, *अर्का हरिता*, *काशी सुर्ख*, *काशी अगेती* एवं *काशी तेज*। बीज दर: मुक्त परागित किस्मों के लिए 800–1000 ग्राम/हेक्टेयर, संकर किस्मों के लिए 250–300 ग्राम/हेक्टेयर। बुआई से पूर्व बीजों को उपचारित करें। रोपाई 50×45 सेमी की दूरी पर करें तथा 25–30 टन गोबर की सड़ी खाद, 100–120 किग्रा नाइट्रोजन, 40–50 किग्रा फॉस्फोरस एवं 40–50 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।
- फूलगोभी: मध्यकालीन किस्में *पूसा हिम ज्योति*, *डी–96* एवं *पंत शुभ्रा* की बुआई करें। बीज दर 350–400 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। खेत की तैयारी के समय 20–25 टन गोबर की सड़ी खाद, 120 किग्रा नाइट्रोजन, 60–80 किग्रा फॉस्फोरस, 40–60 किग्रा पोटाश, 10–15 किग्रा बोरेक्स तथा 1–2 किग्रा अमोनियम मोलिब्डेट प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियाँ: फल मक्खी की नियमित निगरानी करें तथा नियंत्रण हेतु मिथाइल यूजेनॉल ट्रैप का प्रयोग करें। प्रकोप होने पर साफ मौसम में इमिडाक्लोप्रिड 30.5 एस.सी./0.25 मि.ली. प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। जल जमाव से बचाव हेतु लताओं को बाँस की मचान (ट्रेलिस) पर चढ़ाकर भूमि से ऊपर रखें।
- फलदार पौधे: आम, लीची, कटहल, अमरूद, जामुन, शरीफा एवं नींबू के नए पौधों की रोपाई के लिए वर्तमान समय उपयुक्त है। पौधे केवल अधिकृत नर्सरियों से खरीदें। प्रत्येक गड्ढे में रोपाई से पूर्व 40–50 किलोग्राम अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद (एफ.वाई.एम.) मिलाएँ।
- भंडारण: अधिक आर्द्रता को देखते हुए भंडारित अनाज की नियमित निगरानी करें तथा कीट प्रकोप से बचाव के लिए आवश्यक प्रबंधन उपाय अपनाएँ।

आज का अधिकतम तापमानः 33.5 डिग्री सेल्सियस, जो से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी